लिटिल वन इंच



लिटिल वन इंच

लेखक : अकीमी, चित्र : मैग्यूमि



हिंदी : दीपक थानवी

एक समय की बात है, प्राचीन जापान में एक दयालु पति-पत्नी का जोड़ा रहता था। उनका जीवन बहुत शांतिमय था। लेकिन उनकी कभी कोई संतान नहीं थी और इस कारण वे दुखी थे।



दिनभर वे अपने खेत में काम किया करते।

और रात में वे अपनी इच्छा इस तरह प्रकट करते :

"हे टिमटिमाते तारों!

हे जगमगाते सितारों!

कृपया आज रात हमारी इच्छा पूरी करें।

हम एक छोट-से,प्यार-से बच्चे की कामना करते हैं।"



एक सुबह जब वे टहल रहे थे, उन्होंने किसी छोटे बच्चे के रोने की आवाज़ सुनी। उन्होंने चारों ओर देखा कि यह आवाज़ कहाँ से आ रही है। उन्हें घास में छिपा हुआ एक छोटा-सा लड़का दिखा।



पति-पत्नी दोनों बहुत खुश हुए क्योंकि उनकी इच्छा पूरी हो गयी थी।



वे छोटे लड़के को घर ले आये और उसकी देखभाल करने लगे। साल बीतते गए। लड़का खुश था। लेकिन उसकी ऊंचाई कभी भी नहीं बढ़ी। उसकी ऊंचाई एक इंच के कीड़े की लंबाई के समान छोटी थी।



वह लड़का 'लिटिल वन इंच' के नाम से जाना जाने लगा। क्योंकि उसका कद एक इंच जितना था। वह दिखने में सबसे अलग जरूर था, लेकिन सब उसे बहुत प्यार करते थे।



एक दिन जब वह छोटा लड़का नगर में था, उसने एक बहुत ज़ोर की आवाज़ सुनी। उसने चारों ओर देखा कि यह कहाँ से आ रही है।



तब उसने एक जीव को देखा।

यह अब तक का सबसे बड़ा जीव था। नगरवासियों ने देखा तो वे भाग गए। लिटिल वन इंच को छोड़कर सभी भाग गए।



लिटिल वन इंच जानता था कि उसे नगर को बचाना है। वह जल्दी से भागकर दर्जी के पास गया और उससे एक धागे की चरखी उधार ले आया। और उस बड़े जीव को खोजने के लिए वापस भागा।



क्योंकि लिटिल वन इंच इतना छोटा था, वह उस बड़े जीव की नज़रों से बचकर उसके पास आने में सफल हुआ। वह अपने धागे को ले गया और जीव के पैरों के चारों ओर भागता गया - भागता गया जब तक कि जीव को उसने पूरी तरह बाँध नहीं लिया।



फिर उसने अपनी पूरी ताकत लगाकर, उस धागे को खींचा। जीव बहुत ज़ोर से जमीन पर गिरा। धड़ाम। उस जीव ने नज़र उठाकर लिटिल वन इंच को देखा।



"तुमनें मेरे पैरों को क्यों बाँधा?" जीव ने पूछा।

"मुझे पूरे नगर को तुमसे बचाना था।" लिटिल वन इंच ने कहा।



जीव बहुत उदास हो जाता है। वह कहता है, "मैं तो शान्त प्राणी हूँ, मैं किसी को भी नुकसान नहीं पहुँचाता हूँ।"

लिटिल वन इंच यह सब सुनकर कुछ सोचने लग जाता है। जैसे वह जीव सबसे अलग है वैसे लिटिल वन इंच भी। फिर लिटिल वन इंच उस जीव के पैरों में बंधा धागा खोल देता है।



उस दिन से, एक छोटा-सा लड़का, एक बहुत बड़ा प्राणी, दयालु पति-पत्नी, और सभी नगरवासी मिलकर खुशी से रहने लगे।



